राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 337
काली मौत
नागराज
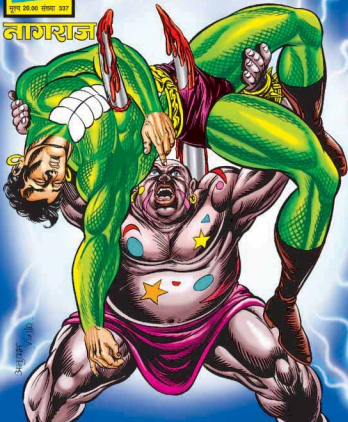
नागराज भारती को ढूंढने के साथ-साथ निकल पड़ा है दुनिया भर के आतंकवादियों से टक्कर लेने। उसकी यात्रा के पहले पड़ाव अफगानिस्तान में तो उसको मायूसी हाथ लगी। लेकिन नागराज ने अपनी यात्रा जारी रखी है। और अपनी यात्रा के दूसरे पड़ाव अफ्रीका में उसके सामने खड़ी है मौत। एक नहीं बल्कि सैकड़ों...
काली मौत
संजय गुप्ता की पेशकश
कथाः जॉली सिन्हा
चित्रः अनुपम सिन्हा
इंकिंगः विनोदकुमार
कैलीग्राफी व कलरः सुनील पाण्डेय
सम्पादकः मनीष गुप्ता
Visit us at: www.rajcomics.com
1
© RAJA POCKET BOOKS
RAJ COMICS FAN NATION

इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें : ऐलान-ए-जंग

मैं तो भूल ही गया था कि वह यंत्र अभी भी मेरी बेल्ट में रखा हुआ है। ये बताएगा मुझे भारती का पता!
'ग्लोबल पोजीशनिंग फाइंडर' में पूरी दुनिया का नक्शा उभरने लगा, और इसमें एक स्थान पर रोशनी का बिन्दु जलने बुझने लगा-
मिल गया भारती का पता पोल्का!
कहाँ पर है भारती?
अफ्रीका में!
अफ्रीका तो आजकल आतंकवादी गतिविधियों का केन्द्र बना हुआ है! आतंकवादी वहाँ के हर देश के विद्रोहियों को हथियार बेचकर अमीर भी बन रहे हैं, और उसी पैसे के बल पर विद्रोहियों को अपने इशारे पर नचा भी रहे हैं!
दूसरे शब्दों में यह समझ लो कि आतंकवादी, विद्रोहियों के ही पैसे की मदद से विद्रोहियों को ही अपना गुलाम बना रहे हैं!
यानी अब हमको अफगानिस्तान के बाद अफ्रीका को आतंकवाद के पंजों से मुक्त कराना है। चलो, भारती को ढूंढने के बहाने यह काम भी हो जाएगा।
बहुत पहले रावण ने सीता को उठाया था, और इस कुकृत्य ने उसका विनाश कर डाला था!
आज आतंकवाद रूपी रावण ने भी भारती को उठाकर ऐसा ही कुछ काम किया है। और उसका भी विनाश अब निश्चित है!

इसी वक्त किसी अंजान स्थान पर-

इसको खाना खाए हुए तीन दिन हो गए हैं मास्टर! लेकिन फिर भी ये हमारी बात मान नहीं रही है!

तो फिर इसको खाना खिलाओ! इसका जिन्दा रहना हमारे लिए बहुत जरूरी है!

यह मर गई तो फिर इसकी नई वसीयत कैसे बनेगी?

और अगर नई वसीयत नहीं बनी तो इसकी पुरानी वसीयत के अनुसार राज, भारती कम्युनिकेशंस का मालिक बन जाएगा! और भारती कम्युनिकेशंस पर हमारा कब्जा होना बहुत जरूरी है! हम आतंकवादियों के पास सब-कुछ है लेकिन अपनी बात दुनिया में फैलाने के लिए मीडिया की ताकत नहीं है!

भारती कम्युनिकेशंस के समाचार पूरी दुनिया में लोकप्रिय हैं! उसके जरिए हम अपनी बात पूरी दुनिया में फैला सकते हैं और लाखों लोगों को आतंकवादी बनने के लिए प्रेरित कर सकते हैं!

मास्टर, क्यों न हम राज को ही उड़ा दें!

फिर तो कोई इसका वारिस ही नहीं रहेगा!

तू गधा ही रहेगा! अगर कोई वारिस ही नहीं होगा तो माल सरकारी खजाने में चला जाएगा! कोई और तरीका बता!

कोई और तरीका! ऊं...हां! हां, मास्टर! भारती ने राज के नाम वसीयत इसीलिए की होगी क्योंकि राज उसको बहुत प्यारा है। अगर हम इसके बजाय राज को इसके सामने लाकर यातना दें तो शायद भारती हमारा कहना मान जाए!

ये तूने हमको खुश करने वाली सलाह दी है! जा, पकड़ ला राज को!
पर... पर एक प्रॉब्लम है मास्टर! हमारे पास जो रिपोर्ट आ रही है, उसके अनुसार नागराज को महानगर में भी देखा गया है और अफगानिस्तान में भी! अब अगर हम राज को उठाने के लिए महानगर गए तो...
पता नहीं मास्टर! पर अभी एक बुरी खबर और है!
वह भी बता दे!
अफगानिस्तान वाला नागराज, अफ्रीका की तरफ बढ़ रहा है!
ओ! यानी उसने भारती का पीछा अभी छोड़ा नहीं है! एक काम करो...
ये तू क्या बक रहा है?
नागराज एक साथ दो जगहों पर कैसे हो सकता है?
दूसरा नागराज जो वास्तव में नागू था, नई-नई समस्याओं से जूझ रहा था-
...अफ्रीका में हमारे कमांडर को सतर्क कर दो! नागराज की मौत शायद काली मौत के हाथ से लिखी है!
और इसके साथ-साथ राज को यहां पर लाने का इंतजाम करो! पर ये महानगर वाला दूसरा नागराज कौन है?
खड़े हो! खड़े हो जाओ! तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मेरे सामने बैठने की मिस्टर राज! मत भूलो कि तुम एक कर्मचारी हो और मैं मालिक!
भारती ने तुमको सिर्फ पॉवर ऑफ एटर्नी दी है! यानी उसकी अनुपस्थिति में काम काज करने की इजाजत! तुमको मालिक नहीं बना दिया है!
ठीक है, ठीक है! आप तो ऐसे चिल्लाने लगे जैसे कि मैं आपके हाथ पर बैठ गया हूं पहलेजा जी!
तू मुझको जवाब दे रहा है! इससे पहले तूने ऐसा कभी नहीं किया! तेरी हिम्मत खुलती जा रही है!

Amaan
यार, ये तो अपनी इज्जत उतारे ही जा रहा है! मन तो कर रहा है कि इसके दांत इसके हलक में उतार दूं! ... पर राज और नागराज की इमेज का सवाल है, भाई! फिलहाल इसके दांत नहीं सिर्फ इसके हलक को ही छेड़ता हूं!
वह अदृश्य किरण, पहलेजा के गले से टकराते ही
मिस्टर पहलेजा की आवाज ही बंद हो गई-
हां तो पहलेजा जी, आपने मुझको बुलाया क्यों है?
अ...क... ऊ...
... मेरे गले को क्या हो गया?
आप तो कुछ बोल ही नहीं रहे हैं! यानी आपको कोई काम नहीं है!
फिर मैं जाऊं?
ऊं ऊं ऊंsss
नहीं जाऊं?
ऊं ऊं ऊं!
फिर क्या करूं?
ऊं ऊं ऊं
इन पेपरों पर साइन करूं?
ऊं ऊं ऊंsss
हां हां हां!
यह सुनते ही 'राज' उर्फ 'नागू' की आवाज भी बंद हो गई-
ऊं ऊं ऊं
पर मैंने तो कभी पेन तक नहीं पकड़ा!
ऊं ऊं ऊं!
ऊं ऊं ऊं!
अपने केबिन में जाकर साइन करके आता हूं!
ऊं ऊं ऊं!
जा! पर जल्दी आना!

Amaan
मि... मिस किटी केली!
यस सर!
आ... आप तुरन्त मेरे केबिन में आइए!
यस सर!
अरे, सर को मारो गोली मैडांगी दीदी! और अपने असली रूप में आओ!
बता नागू, क्या प्रॉब्लम है? तेरी समस्याओं को सुलझाने के लिए ही तो मैंने किटी केली का रूप धरकर भारती कम्युनिकेशंस में नौकरी की है! बोल!
अरे! तुम बोलने ...गी तो बोलुंगा न
समस्या 'दस्तखत' है! राज के दस्तखत!
और मुझे पेन पकड़ना तक नहीं आता है!
कोई बात नहीं! देखो पेन ऐसे पकड़ते हैं!
अरे, मुझे दस्तखत करना सिखाओ! पेन तो मुंह से भी पकड़ूंगा तो चलेगा!
इसके लिए तुमको प्रैक्टिस करनी पड़ेगी! राज के 'सिग्नेचर' के नकल करने की प्रैक्टिस!
अब तो प्रैक्टिस करने का वक्त नहीं है, दीदी!
क्योंकि जासूस सर्प खतरे के सिग्नल भेज रहे हैं!
कोई बड़ा खतरा है!
पर सिग्नल आ कहां से रहे हैं?
हमारे एकदम पास से!

सौडांगी खतरे का आभास पाते ही किटीकेली के रूप में वापस आ गई-
दरवाजे के ठीक बाहर से!
ये तख्ती तेरे केबिन के बाहर लगी थी! यानी तू ही है राज! है न?
मि. राज पी. आर. ओ.
इतनी खतरनाक शक्ल! और बात भी बड़ी बदतमीजी से कर रहा है! इसको जरूर पहलेजा ने भेजा होगा! फाइल वापस मंगाने के लिए! है न?
मैं तुझे लेने आया हूं! चल मेरे साथ! किसी पहलेजा ने नहीं, तुझे मास्टर ने बुला भेजा है! और अगर तू मना करना चाहता है तो पहले मेरी शक्तियों को देख ले...

फिर 'इंकार' करने की सोचना!
चलूंगा, मेरे भाई! जरूर चलूंगा! मैंने तो मना किया ही नहीं!

अब समस्या मेरे सामने है! मैं सौडांगी नहीं, किटी केली के रूप में हूं! और एक टाइपिस्ट का तांत्रिक वार करना ऑफिस वाले पचा नहीं पाएंगे! फिलहाल मुझे पिटना ही होगा!
राज तो बड़ा डरपोक निकला!
एक लड़की को सामने करके छुप गया! लेकिन जाएगा कहां? उसको तो मैं तुझे मारने के बाद लेकर ही जाऊंगा!

इधर नागू और सौडांगी पर आई मुसीबत से बेखबर नागराज पोल्का के साथ अफ्रीका की तरफ बढ़ रहा था-
तुम्हारी नाव भी कमाल की है, नागराज! ये सर्प नौका तो हमको प्लेन से भी जल्दी अफ्रीका पहुंचा देगी!
सर्प नौका से अफ्रीका जाने का कारण जल्दी पहुंचना नहीं बल्कि दुश्मनों की नजर बचाकर पहुंचना है पोल्का! मुझे पक्का यकीन है कि हमारी हर हरकत पर दुश्मन की नजर है! और अफ्रीका पहुंचने वाले हर प्लेन पर दुश्मन हम को तलाश रहे होंगे!
लेकिन समुद्री तट इतना लंबा-चौड़ा है कि उस पर नजर रख पाना असंभव...
...ओ! मेरे सर्प इंद्रिय खतरा महसूस कर रही हैं! भयंकर खतरा!
हमारे नीचे भंवर पैदा हो रही है नागराज!
कुछ समझ पाने से पहले ही भंवर नागराज और पोल्का को सर्प नौका समेत नीचे खींचती चली गई-

पानी के अंदर-
अफ्रीका के सागर में तुम्हारा स्वागत है नागराज! अब यही पानी कयामत तक तुम्हारा घर बना रहेगा!
क्योंकि तुमको इस जल से जीवित बाहर नहीं निकलने देगा...
...क्रोको!
ओह! यानी दुश्मन ने हमको पहले ही देख लिया था! और अब उसने हमको ऐसी जगह पर फंसाया है, जहां पर हम सांस न ले पाने के कारण विवश हैं...
...और यहां पर आपस में बात न कर पाने के कारण मैं और पोल्का मिलकर कोई योजना भी नहीं बना सकते हैं!
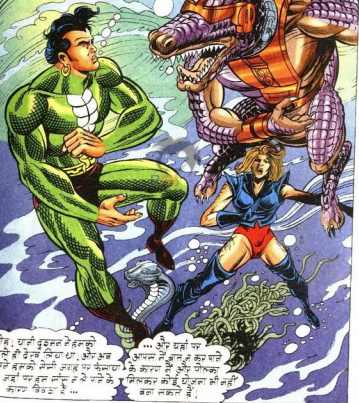
तेरी सांस रुक रही है न नागराज? मुझे जल्दी करनी होगी! वर्ना कहीं तू मेरे मारने से पहले ही मर गया तो मुझे तसल्ली कैसे होगी! पहले तू यह देख कि मैं तुझको कैसे मारूंगा! ध्यान से अपनी साथी की मौत देख!
पोल्का!
पोल्का मौत के करीब है! अगर उसके शरीर में जीवनदायी वायु पहुंच जाए तो इसके बचने की उम्मीद हो सकती है! और इसको सतह तक पहुंचाएंगे मेरे ध्वंसक सर्प!
इसको मैं सतह तक जाने में आराम से रोक सकता हूं! लेकिन मुझे लाशें इकट्ठी करने का शौक नहीं है! मुझे लाशें बनाने का शौक है!
वह झटका पोल्का का खून सुखाने के लिए काफी था-
पोल्का के मृतप्राय शरीर के नीचे हुए ध्वंसक सर्प के उस धमाके ने पोल्का के शरीर को ऊपर सतह की तरफ धकेल दिया-

आऽऽऽह! इसके वारों को मैं झेल सकता हूं! लेकिन सांस की कमी मुझको कमजोर बना रही है! फेफड़े फट रहे हैं! मुझे अपने सांपों को सतह पर भेजना होगा! ताकि वे अपने मुंह में हवा भरकर मेरे शरीर में प्रविष्ट हो जाएं! क्योंकि क्रोको तो मुझको सतह तक जाने नहीं देगा!
तू अपने सर्पों को सतह पर जरूर जीवनदायी वायु लेने के लिए भेज रहा है! लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा! लो, मैं ऊपर की सतह को खौला देता हूं! अब अगर तेरे सांपों ने इसको पार करने की कोशिश की तो ये उबल जाएंगे!
ओह! अगर मैंने अब सांस लेने में कुछ ही पल की और देर की तो मेरे शरीर के सर्पों के साथ-साथ वे अद्भुत सर्प भी मरने शुरू हो जाएंगे, जिन्होंने मेरे शरीर को अपना घर बनाया हुआ है!...एक तरीका है! मेरे सर्प सतह पर नहीं जा सकते! पर समुद्र के अंदर तो कुछ देर तक घूम ही सकते हैं! इनको मानसिक आदेश देता हूं!
तू कुछ भी कर ले, पर तू बच नहीं पाएगा नागराज! ले, मैं तेरी यातना को एक झटके में खत्म कर देता हूं!
नागराज के चारों तरफ का पानी एकाएक खौलने लगा-

Amaan
लेकिन नागराज के पास पानी को ठंडा करने का उपाय था-
इस शक्ति को मैं पहले खर्च करना नहीं चाहता था! लेकिन अब और कोई चारा नहीं है!
शीतनागकुमार!
पानी तेजी से ठंडा होना शुरू हो गया-
तुम्हारे शरीर से जुड़ा होने के कारण जैसे मैं तुम्हारे विचार जान सकता हूं, वैसे ही तुम भी मेरे विचार जान सकते हो नागराज!
मैं भी सांस की कमी के कारण बेदम हो रहा हूं! इसलिए मैं ज्यादा देर तक शीत शक्तियों का प्रयोग नहीं कर पाऊंगा!
शरीर में शक्ति तो नहीं बची है लेकिन फिर भी मैं क्रोको को बेहोश करने की एक कोशिश करता हूं शीत नाग कुमार!
हा हा हा! मैं तेरी शक्तियों के बारे में जानता हूं नागराज! तू चाहता है कि तू मुझ पर हमला करे, और मैं तुझको काटकर गल जाऊं! मुझमें मगर की खूबियां जरूर हैं...
...पर दिमाग मुझमें इंसान का है! मैं तुझको दांतों से नहीं अपने पंजों से काटूंगा!
आऽऽऽह! मेरे शरीर के सांप इतने कमजोर हो चुके हैं कि अब वे मेरे घाव भी नहीं भर सकते!

Amaan
काली मीत
अब मैं कुछ नहीं कर सकता! सांस की कमी और घावों की अधिकता के कारण अब मुझ पर बेहोशी छानी शुरू हो गई है!
तेरी मौत की उल्टी गिनती शुरू हो गई है नागराज!
दस... नौ...
...आठ... सात... आऽऽऽ
कौन है?
पोल्का! तू बच कैसे गई?
क्योंकि तुम आतंकवादियों को अच्छी तरह से पहचानने के कारण मुझे पता था कि हमला वहीं पर होगा, जहां पर उसकी उम्मीद सबसे कम हो!
तेरे वार ने मुझे सिर्फ बेहोश किया था मारा नहीं था क्रोको! जब नागराज ने समुद्री रास्ते से जाने का फैसला किया था तभी मैंने अपने यंत्रों से भरा एक रिमोट कंट्रोल द्वारा नियंत्रित वायुयान अपने साथ ले लिया था!
सतह पर पहुंचकर सांस लेते ही मुझे होश आ गया और अपने निजी वायुयान के साथ मैं तुमसे निपटने वापस आ गई!...

कहानी 19 पेज से जारी

लेकिन महानगर स्थित 'भारती कम्युनिकेशंस' की इमारत के अंदर 'राज' उर्फ नागराज और किटी केली का रूप धरे भोडांगी अभी भी मुसीबत में फंसे हुए थे-
इसके हाथ में तो कोई हथियार नजर नहीं आ रहा है, लेकिन फिर भी ये विस्फोटकों के वार कैसे कर ले रहा है?
इसे कुदरत का करिश्मा समझ ले, लड़की! इसी करिश्मे के कारण मेरा नाम बल्ला ब्लास्टर पड़ गया है! भाड़े का सैनिक था मैं! और करगिल युद्ध के दौरान कई तरह के बमों के धमाकों के बीच में फंस गया था! मेरे चिथड़े हो चुके शरीर में बहते खून में कई तरह के विस्फोटक मिश्रित हो गए थे!
मेरे साथी मुझे मरा समझकर मुझे दफनाने ले गए थे! लेकिन दफनाते ही मेरी कब्र ही मेरे बदन में हुए विस्फोट से उड़ गई! मुझमें न जाने कैसे अजीबो-गरीब शक्तियां आ गई थीं! मेरे शरीर में विस्फोटक बनने लगे थे! और उनको मैं अपने शरीर के किसी भी अंग से छोड़ सकता था! अब तो अगर मैं थोड़ी देर तक विस्फोटकों को न छोड़ूं तो मेरा बदन ही चिथड़े बनकर उड़ जाएगा! अब तो तू समझ गई कि तुझको ब्लास्ट से मारना मेरी मजबूरी है! क्या करूं?
तुम्हारी कहानी वाकई में दर्दनाक है! लेकिन मैं अपनी मौत को दर्दनाक बनाना नहीं चाहती!

इसलिए मुझे तुझ पर वार करना ही पड़ेगा!
अब ऑफिस वाले देखें या न देखें, अपनी जान बचाने के लिए वार तो मुझको करना ही पड़ेगा! बस, अभी वाला वार तांत्रिक वार न होकर साधारण वार होगा!
किटी केली के पैर का स्पर्श, बल्लू ब्लास्टर से होते ही-
बड़ाम
धमाका हो गया-
और सौडांगी उर्फ किटी केली फर्श पर आ गिरी-
अब पहले तेरे टुकड़े होंगे, फिर टॉयलेट का दरवाजा चूर-चूर होगा! और फिर राज या तो मेरे साथ चलेगा या फिर उसके लोथड़े हवा में उड़ते नजर आएंगे!
भाई ब्लास्टर जी! अगर ऐसे वीभत्स डॉयलाग मारने हों तो लंच ब्रेक से पहले अटैक करने आया करो!

खाना खाने के बाद ऐसी घिनौनी बातें सुनकर उबकाई आती है!
नागराज!
हां भाई, मैं नागराज ही हूं! पर तुम मुझे देखकर चौंक क्यों रहे हो? शायद मेरे मुंह पर लंच में खाई दाल अभी भी लगी है!
त... तुझे तो अफगानिस्तान में देखा गया था! पर तू तो यहां पर है! यानी हमको मिली रिपोर्ट सही थी कि तू एक ही साथ दो जगहों पर मौजूद है! ये कैसे हो सकता है?
कैसे नहीं हो सकता? अरे ये ले पचास रुपए और घटे दर पर जाकर राम और श्याम, सीता और गीता, किशन कन्हैया, ग्रेट गैम्बलर और वो... हां, सूर्यवंशी देखकर आ! अभी तेरा 'डबल रोल' वाला कन्सेप्ट क्लियर नहीं है!
50
जो तू देख रहा है वह डबल रोल का चक्कर है! अफगानिस्तान वाला नागराज जरूर मेरा डुप्लिकेट होगा!
मजाक करता है! अपनी मौत से मजाक करता है? अभी मैं तेरा रोल ही खत्म कर देता हूं! स्क्रिप्ट राइटर मैं हूं!
और मैं इस सीन का हीरो हूं!

ऊं ऊं ऊंsss! ये तो प्लास्टिक का खोल है जो लेमिनेशन की तरह मेरे बदन पर चढ़ गया है!

अब ब्लास्टर के बदन के ब्लास्ट इसके अंदर ही रहेंगे!

लो, मैडम किटीकैली बल्लू ब्लास्टर पर प्लास्टिक का प्लास्टर चढ़ा कर मैंने इसे लल्लू बना दिया है! अब मैं चलता हूं! तुम राज को जाकर टॉयलेट से बुला लाओ! उसे बता देना कि अब वह सुरक्षित है!

कोई सुरक्षित नहीं है! बल्लू ब्लास्टर जो काम करने आता है उसको पूरा करके ही जाता है!
अरे! अरे! इसने तो अपने ही ब्लास्ट के कारण कुर्सी में लगी आग को अपने बदन में लगाकर प्लास्टिक के खोल को पिघला डाला है!
और अब अगर तूने राज को मेरे हवाले नहीं किया तो मैं इस पूरी इमारत को ही बारूद से उड़ा दूंगा, और इसमें मौजूद हजारों लोगों की मौत का जिम्मेदार होगा नागराज!
नागू नागराज की समस्याओं से जूझ रहा था-
और नागराज अपनी समस्या से-
तुम समझते हो कि तुमने मुझे अपने यंत्रों से मात दे दी है! नहीं नागराज! ऐसा नहीं है!
तेरे यंत्रों से मैं एक झटके में निपट सकता हूं!

Amaan
संभाल सकता है तो संभाल मेरे वार को! पर मैं जानता हूं कि तुम दोनों में से कोई भी मेरे वार को संभाल नहीं पाएगा!
ये... ये क्या हो रहा है! मुझे अपने शरीर पर दबाव क्यों महसूस हो रहा है!
यही इसका वार है पोल्का! इसने इस क्षेत्र में जल का दबाव बढ़ा दिया है! और ये दबाव तुम्हारे सारे यंत्र तोड़ने के साथ-साथ हमारे फेफड़ों से बची-खुची हवा भी बाहर निकाल रहा है!
मेरे सारे यंत्र और यान भी टूट रहा है! हम फिर वहीं पहुंच गए हैं जहां पर थे, नागराज!

हा हा हा! मुझे हवा में सांस लेने की जरूरत नहीं पड़ती है, और न ही बोलने के लिए फेफड़ों में हवा भरने की जरूरत पड़ती है! तुमको पड़ती है! पर अफसोस! तुम दोनों मरने से पहले आखिरी सांस भी नहीं ले पाओगे!
मौत एकदम करीब थी-
लेकिन नागराज मौत को न जाने कितनी बार दूर धकेल चुका था।
ये... ये क्या? तुममें एकाएक इतनी शक्ति कहां से आ गई?
अब मेरे शरीर में जीवनदायी वायु फिर से बहने लगी है, और मेरी शक्ति वापस आ गई है।
क्योंकि मेरे सर्प उन कई जल सर्पों को ढूंढकर ले आए हैं जिनके फेफड़ों में कई घंटों तक पानी के नीचे रहने लायक हवा होती है! और वे सारे जल सर्प मेरे शरीर में प्रवेश कर गए हैं।

Amaan
पहले मैं फेफड़ों में हवा न होने के कारण विष फुंकार नहीं छोड़ पा रहा था! पर अब तू मेरी विष फुंकार का स्वाद चखेगा!
लेकिन यह नहीं पता कि स्वाद कैसा है, यह बताने के लिए तू होश में रहेगा या नहीं!
आऽऽऽह! घातक है तेरी विष फुंकार! लेकिन समुद्र बहुत बड़ा होता है! जल्दी ही तेरी फुंकार पानी में घुलकर फैल जाएगी, और असरदार नहीं रहेगी!
इसका इलाज मेरे पास है! अब मेरी शक्तियां भी काफी हद तक वापस आ गई हैं! मैं इस विषयुक्त पानी को तेरे साथ-साथ एक बर्फीले खोल में कैद कर देता हूं! अब तू इस विषैले पानी के साथ तब तक रहेगा जब तक तू बेहोश नहीं हो जाता!
अब हमको पोल्का को सतह तक पहुंचाना है! ताकि ये सांस ले सके और जिन्दा बच सके शीतनाग कुमार!
लेकिन ऊपर की सतह का पानी अभी भी खौल रहा है नागराज! मेरे अंदर अभी भी इतनी शक्ति नहीं है कि उस पानी को ठंडा कर सके! और घूमकर जाने में जो वक्त लगेगा, उतना समय हमारे पास नहीं है!
उधर से कुछ बुलबुले आते नजर आ रहे हैं! शायद उधर कोई रास्ता हो!
आओ शीतनाग कुमार!
नागराज और शीतनाग रास्ता तलाश कर चुके थे-

Amaan
लेकिन नागू और सौडांगी को अपने सिर पर पड़ी मुसीबत को टालने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था-
ये तो सचमुच पूरी बिल्डिंग तोड़ने पर उतारू हो गया है!
मुझे तो बेचारे राज पर दया आ रही है! जब पहलेजाजी को पता चलेगा कि यह तोड़-फोड़ राज के कारण हुई है, तब वह तो राज की ही तोड़-फोड़ डालेंगे!
तू पहलेजा को दिमाग से निकाल नागू, और इसको वश में करके इसके साथ जाने का तरीका सोच! शायद इससे हमको भारती का कुछ पता मिल सके!
मुझे तो कुछ समझ में नहीं आ रहा है! जब नागराज ऐसे विलेनों से लड़ता था तो मुझे बहुत आसान लगता था! अब खुद के सिर पर पड़ी है तो मुझे कुछ सूझ ही नहीं रहा है!
इसके साथ जाने के लिए इसको कब्जे में करना बहुत जरूरी है।
नागराज सबसे पहले लोगों की जान का ध्यान रखता है! और इसके लिए ब्लास्टर को इस बिल्डिंग से बाहर नष्ट करना होगा!
अरे, अरे, ये क्या? तेरे मुंह से विष फुंकार की बजाय पानी की धार निकल रही है!

फिल्मों में भीड़ को धकेलने के लिए पुलिस वाले ऐसा ही करते हैं! और तू अकेला ही पूरी एक भीड़ के बराबर है!
ये डंडा पकड़ ले, वर्ना बारह के भाव मारा जाएगा!
ओह! ओह! अगर मैंने डंडा छोड़ दिया तो जमीन से टकराकर मेरी सारी हड्डियां टूट जाएंगी!
तो डंडा मत छोड़ना बल्लू भाई!
चाहे कुछ भी हो जाए!
अरे! अरे! मुझ पर कुछ मत फेंको! जब भी कोई चीज मेरे बदन से टकराएगी तो धमाका हो जाएगा! और धमाके से डंडा टूट सकता है!
तो खा अपने मां-बाप की कसम कि तू मुझको मास्टर यानी अपने बॉस तक तो लेकर चलेगा!
अपनी कसम! शैतान की कसम! मैं आपको मास्टर के पास ले चलता हूं! बस मुझे नीचे उतार दो!

Amaan
और सुन! कोई चालाकी की तो तुझे दुबारा डंडे से लटका दूंगा!
क्योंकि मैं तेरे और राज के पीछे - पीछे आऊंगा!
न... न... न! मैं कोई चालाकी नहीं करूंगा! वैसे भी मैं राज को मास्टर के पास ले जा रहा हूं, और ऐसा ही मास्टर ने भी कहा था! मैं भला चालाकी क्यों करूंगा!
और वहां से दूर- साऊथ अफ्रीका के तट के पास-
बुलबुले यहां से आ रहे हैं! चट्टानी दीवारों में गुफा जैसे द्वार के अन्दर से! आओ हम अन्दर चलते हैं!
गुफा के टेढे- मेढे रास्तों को पार करते हुए-
नागराज और शीतनागकुमार आखिरकार सतह तक पहुंच ही गए-
आऽऽऽह! ये तो किसी खनिज की खान लगती है! ऐसी खान जिसको खनिज निकालने के बाद छोड़ दिया गया है!
लेकिन ये खान पहले थी किस चीज की?
यह पता करने का वक्त हमारे पास नहीं है! वैसे भी इस बात का कोई महत्त्व भी नहीं है! चलो बाहर निकलने का रास्ता ढूंढते हैं!

पोल्का को किसी सुरक्षित स्थान पर छोड़कर जाना होगा! वर्ना अगर कहीं कोई खतरा आ गया तो बेहोश पोल्का के साथ उससे निपटना मुश्किल होगा!
यहां तो चारों तरफ अंधेरा नजर आ रहा है! रोशनी की एक किरण भी बाहर से नहीं आ रही जो हमको बाहर का रास्ता दिखा सके!
तभी-
ओsss ह!
क्या हुआ, शीतनागकुमार?
न जाने नहीं पैर किस चीज में फंस गया था!
ओsss ह!
ये मेरे सिर पर क्या गिरा?
जगमग सर्पों ने घुप्प अंधेरे में रोशनी की किरणें फैला दीं-
जगमग सर्पो, बाहर आओ!
और किरणों के साथ-साथ नागराज और शीतनागकुमार की आंखें भी फैल गईं-

हे भगवान! ये खान के गलियारे तो हथियारों का गोदाम हैं! एक बहुत बड़ा गोदाम! अब मैं समझ गया! क्रौकी इसी रास्ते से हमको मारने आया होगा! यह जगह आतंकवादियों द्वारा अफ्रीका के विभिन्न देशों के विद्रोहियों को हथियार सप्लाई करने के लिए इस्तेमाल की जा रही है!
हम एकदम सही जगह पर पहुंचे हैं शीतनागकुमार!
लेकिन मैं तो गलत जगह पर हूं! पहले मुझे तो बाहर निकालो!
आऽऽऽह! शुक्र है कि कोई हड्डी नहीं टूटी! इस गोदाम को हमें तुरन्त उड़ा देना चाहिए नागराज!
नहीं! इससे आतंकवादियों को हमारे जिन्दा होने और यहां पर मौजूद होने का पता चल जाएगा!
पता तो हमको पहले ही चल चुका है!

हम तो एक पिस्तौल के गिरने की आवाज भी सुन लेते हैं! और तुमने तो पूरे एक ट्रक में आने वाले हथियार गिराए हैं! हमको पता तो चलना ही था!
वैसे क्रोको भी हमारा ही आदमी था!
ओह! यानी तुम आतंकवादियों का नेटवर्क काफी दूर तक फैला हुआ है! खैर इसको तो मैं खत्म करूंगा ही! लेकिन अगर तुम सारी जिन्दगी अस्पताल के बिस्तर पर काटना नहीं चाहते हो तो पहले मुझको भारती का पता बता दो!
मैं सिर्फ एक ही पता जानता हूं! मौत का पता! और इसलिए सरदार ने मुझको 'काली मौत' का नाम दिया हुआ है! ये खानें पहले हीरे की खानें हुआ करती थीं! ...

कहानी 35 पेज से जारी

और जब यहां से हीरे निकलने बंद हो गए, तो इस खान को ऐसे ही छोड़ दिया गया! और तब इस वीरान खान में हमने हथियार रखने शुरू कर दिए! ऐसे ही एक दिन बारूदी सामान रखते समय धमाका हो गया, और खान की कुछ दीवारें चूर-चूर हो गईं! मैं उस धमाके के बीच में आ गया! और दीवारों में मौजूद हीरों के छोटे-छोटे टुकड़ों ने मेरे शरीर को सिर से पैर तक छेद दिया! मेरे बदन पर हीरे की पर्त चढ़ गई थी! और बारूद की गर्मी ने मेरी चमड़ी को पिघलाकर उन हीरों को मिश्रित करके हीरों को मेरे शरीर का अंग बना दिया!
ऐसे मैं बन गया काली मौत!
एक ऐसा हत्यारा जिसकी त्वचा दुनिया की सबसे कड़ी चीज की बनी हुई है! हीरे की!
तू सिर्फ ऊपर से हीरा है! अन्दर से नहीं! इसलिए मेरी विषफुंकार तुझको आराम से बेहोश कर देगी!
आऽऽऽह!
सरदार कौन है? यह नाम तो मैंने पहले कभी नहीं सुना!
तुम पीछे हट जाओ नागराज! इसके हीरे तुम्हारे शरीर को काट रहे हैं!
अगर ऐसा हो सकता तो सरदार तुझको मारने के लिए मुझे नहीं किसी और को भेजता!
सरदार को तेरी सारी शक्तियों का पता है! तेरा पुराना दुश्मन है सरदार!
इससे मुझे निपटने दो! मेरे द्वारा पैदा की गई बर्फ इसके हीरों के कड़ेपन का मुकाबला कर सकती है!

हीरे का मुकाबला सिर्फ हीरा ही कर सकता है! और कुछ भी नहीं!
आsssह!
इसके हीरे सिर्फ वस्तुओं को छेदते ही नहीं हैं, बल्कि उसके अन्दर जाकर बारूद की तरह फट भी जाते हैं!
तू भूल रहा है कि हीरे मेरे शरीर में तब धंसे थे, जब बारूद का एक बड़ा जखीरा फटा था! कारण तो मैं नहीं जानता, लेकिन इन हीरों में भी बारूदी ताकत भर गई है!
शीतनाग घायल हो गया है! और मेरी विषफुंकार भी इस पर बेअसर रही है!
शीतनाग को बचाने के लिए और इसकी ताकत का राज समझने के लिए मुझे वक्त चाहिए! इसलिए फिलहाल यहां से भागना पड़ेगा! ये उधर से आया था, यानी उधर ही बाहर निकलने का रास्ता होगा!
तू जहां पर भी जाएगा, वहां पर तुझे मौत ही मिलेगी, नागराज!
काली मौत के हीरे जमीन में गहरे धंसते चले गए।

और नागराज के पैरों के नीचे की जमीन एक धमाके के साथ टुकड़ों में बिखर गई-
धड़ाम
और न ही अपना सन्तुलन बना सके पाया-
उसका शरीर एक ढलान पर लुढ़कता चला गया-
नागराज, न तो शीतनागकुमार को थामे रख पाया-
ले मैं रोशनी कर देता हूँ नागराज! देख ले कि तू कहां पर गिरा हुआ है!
ये हीरे की घाटी है! इसमें जो हीरे बचे हैं वे घटिया दर्जे के हैं! इस लिए इनको निकालने की जरूरत नहीं समझी गई, और अब हमने इसको अपना बलिस्थल बना लिया है!
और तभी रुका, जब उसके शरीर में कई नुकीले नेजे आ धंसे-
आऽऽऽह! मेरे शरीर में क्या चीजें आ धंसी हैं! असहनीय पीड़ा हो रही है! और अंधेरे में कुछ नजर नहीं आ रहा है!
हम अपने हर शिकार को यहीं पर लाकर मारते हैं! और तब तक तमाशा देखते हैं जब तक वह हीरों में बचने के चक्कर में, हीरों से ही कट-कट कर मर नहीं जाता!
तेरी मौत भी अब कुछ ही पल दूर है, नागराज!

और इसी वक्त अफ्रीका से दूर और महानगर के पास-
और कितनी दूर चलना है बल्लू भाई ?
ब... बस उस पहाड़ी के ऊपर जो मकान बना दिख रहा है! बस वहीं तक!
शुक्र है! यानी तुम्हारा मास्टर महानगर के काफी नजदीक रहता है! और मुझे पूरा यकीन है कि भारती के अपहरण के पीछे इस मास्टर का ही हाथ है। और अगर मेरा शक सही है तो जहां पर मास्टर होगा वहीं पर भारती होगी!
तुम ये जानकर क्या करोगे ? नागराज को बताओ तो तुम्हारा कुछ भला होगा!
नागराज नहीं, नागूराज बोल मोटे! और नागूराज ने सब सुन लिया है! अब तो सिर्फ तेरे मास्टर से मिलना बाकी है!
और जल्दी ही-
मास्टर! मैं... मैं ले आया राज को! अ... अब बताइए कि इसका क्या करना है?
भारती! भारती सचमुच यहीं पर है! लेकिन मुझको सही मौके का इंतजार करना होगा!
तू तो ऐसे हांफ रहा है जैसे कोई बहुत बड़ा काम करके आया हो! बांध दे इसको खंभे से और हंटर बरसा इस पर!

राज को खंभे से बांधते वक्त सभी का ध्यान राज पर ही था-
देख भारती! मान लो हमारी बात, वर्ना तेरी वसीयत तो रहेगी पर वसीयत को भोगने वाला राज नहीं रहेगा!
किसी का ध्यान उस नागिन पर नहीं था, जिसका कांटेदार शरीर खुले दरवाजे से चुपचाप रेंगता हुआ-
सभी रहेंगे! सिर्फ तू नहीं रहेगा शैतान! तेरा अन्त अब ज्यादा दूर नहीं है!
ऐसा है तो पहले अपने प्यारे राज का अन्त देख!
बस मास्टर! अब तुम्हारा खेल खत्म हो चुका है!
उस कमरे के दरवाजे के बाहर आकर इच्छाधारी रूप धारण करने लगा था, जिस कमरे में भारती कैद थी-
सौडांगी ने अपनी जगह ले ली है! अब मुझको अपनी योजना पर अमल करने में देर नहीं करनी चाहिए!
खेल तो अभी शुरू... अरे! ये धुआं कहां से आ रहा है जो राज को अपने अन्दर छिपाता जा रहा है?

ये धुआं करना वैसे तो जरूरी नहीं था...
...लेकिन जब तक ऐसे सीन डाले नहीं जाएं...
...तब तक हीरो की एंट्री में मजा नहीं आता है!
न... नागराज! वह... राज कहां गया?
राज को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। और अब मैं तुमको भी ऐसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दूंगा...
...जहां से तुम अपनी आतंकवादी गतिविधियां न चला सको!
यानी जेल में!
सौडांगी!
सौडांगी, नागू का इशारा तुरंत समझ गई-
और दोनों के शरीर दरवाजे और खिड़की को तोड़ते हुए-

बाहर चट्टानों के ऊपर हवा में तैर गए
ये... ये क्या? खिड़की के पार तो कुछ भी नहीं है! न ही भारती और न ही मास्टर!
लेकिन अगर खिड़की के पार चट्टानें थीं तो हमको कमरा क्यों दिख रहा था? कहां गए मास्टर और भारती?
मास्टर कच्ची गोलियां नहीं खेला! मुझे पता था कि गड़बड़ कभी भी हो सकती थी! इसीलिए तुमको यहां पर लाया गया था! जहां पर कमरे की खिड़की पर प्रोजेक्टर से वह दृश्य दिखाया जा रहा था, जो तुमसे बहुत दूर बैठकर मैं ट्रांसमिट कर रहा था! तुम मुझ तक कभी भी नहीं पहुंच सकते नागराज, चाहे तुम महानगर के रास्ते मुझ तक पहुंचने की कोशिश करो या अफ्रीका के रास्ते से आओ!

Amaan
ओफ्फ! ये तो बहुत बुरा हुआ! शिकार हाथ में आकर निकल गया! हम मूर्ख बन गए!
सचमुच! हमने जल्दबाजी करके अपना ही भांडा फोड़ दिया! नागराज ऐसी चाल में कभी नहीं फंसता!
ठीक है! ठीक है! अभी क्या करना है, ये बताओ!
वापस ऊपर चलकर बल्लु ब्लास्टर को हिरासत में लेना है और पुलिस को सौंपना है!
नागराज फिलहाल काली मौत की चाल में फंस चुका था-
हा हा हा! तड़पन हो रही है न, नागराज! तड़प और तड़प! तू जितना तड़पेगा, हीरे तेरे बदन को उतनी ही जल्दी काटेंगे!
और उतनी ही जल्दी तू मौत के घाट उतर जाएगा!
आऽऽऽह! ये सच कह रहा है! हीरे मेरे शरीर को काटते जा रहे हैं! फिलहाल मैं सिर्फ इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करके बच सकता हूं, लेकिन ये असहनीय पीड़ा उसके लिए मुझे ध्यान केन्द्रित करने नहीं दे रही है!
मुझे अपनी उतनी ज्यादा चिन्ता नहीं है, जितनी शीतनाग की है! मेरी तरह उसके शरीर के घाव जल्दी नहीं भरते हैं! मुझे उसको बचाना होगा! और उसके लिए मुझे बचना होगा!

Amaan
अपने दर्द का इलाज करना जरूरी है! क्योंकि दर्द खत्म होने से ही मैं ध्यान केन्द्रित कर पाऊंगा! लेकिन इस असहनीय पीड़ा की दवाई यहां कहां से आएगी?
ओ! मिल गई दवाई! अब मेरी पीड़ा पलभर में दूर हो जाएगी!
हीरे की सतह शीशे की तरह मुझे मेरा चेहरा दिखा रही है! मैं अपने आपको सम्मोहित करके पीड़ा भूल जाने का आदेश दूंगा...
...और पीड़ा दूर होते ही इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करके इस चमकती कैद से आजाद हो जाऊंगा!
अरे! न... नागराज कहां गया?
मैं यहां पर हूं! तुम्हारे पीछे!
अब, जब तक काली मौत संभले...
...तब तक मैं नागरस्सी के जरिए शीतनाग को ऊपर खींच लूंगा!

तू मौत की घाटी से कैसे बचकर बाहर आ गया, यह तो मैं नहीं जानता! लेकिन मैं इतना जरूर जानता हूं कि तेरी मौत मेरे ही हाथों लिखी है!
क्योंकि तेरे घाव अभी भी पूरी तरह से नहीं भरे हैं! तू कमजोर है और तेरी कोई भी शक्ति मुझ पर असर करने वाली नहीं है! क्योंकि बचपन से ही नशीले पौधे खा-खाकर मेरा शरीर जहरीले वार सहने योग्य बन गया है!
अब तू मरेगा नागराज! हीरे की इस तलवार से काटकर मारूंगा मैं तुझे!
...सिर्फ तू है!
पोल्का! तुम होश में आ गई!
सिर्फ होश में ही नहीं! तुमको ढूंढती-ढूंढती तुम्हारी मदद करने के लिए भी आ गई!
आऽऽऽह! अब मैं तुम सबको एक साथ मारूंगा! इस 'वैक्यूम बम' की मदद से! यह जहां पर भी फटता है वहां पर विस्फोट की शक्ति से सौ गज के दायरे में वैक्युम पैदा कर देता है! लोगों के फेफड़ों की हवा तक खींच लेता है! और वे दम घुटने से मर जाते हैं!
यहां पर मरने के लायक...

इसको यहां पर फोड़ा तो तुम भी दम घुटने से मर जाओगे काली मौत!

नहीं! मैं नहीं मरूंगा! मेरे फेफड़ों पर भी हीरे की काली पर्त चढ़ी है! मैं सांस रोक लूंगा तो वैक्यूम भी मेरे फेफड़ों की हवा नहीं खींच पाएगा! पर तुम्हारे साथ ऐसा नहीं होगा! और इस बार से तुझे तेरी गायब होने वाली शक्ति भी नहीं बचा पाएगी!

तैयार हो जाओ मरने को!

पोल्का! मुझे पकड़ लो!

क्योंकि इस बम को मैं खुद फोड़ने जा रहा हूं!

सर्परस्सी के सहारे ढलान पर फिसलते नागराज ने बेहोश शीत-नाग को भी ढलान में धक्का दे दिया

और बम फटने से पहले ही तीनों के शरीर सर्प रस्सी के सहारे, हीरे की घाटी में लटककर सौ गज के दायरे से बाहर हो चुके थे-

ये बम असर डालेगा पोल्का, देखो! काली मौत की सारी शक्तियां खत्म हो चुकी हैं। अब मेरे एक ही वार से ये बेहोशी की दुनिया में पहुंच जाएगा!
यह चमत्कार कैसे हुआ नागराज? इसका शरीर तो फिर से मुलायम त्वचा वाला शरीर बन गया है!
इसने मुझे बताया था कि हीरे की इस खान में हुए धमाके के कारण इसके शरीर में हीरों के टुकड़े धंस गए थे और इसके शरीर पर हीरों का कवच चढ़ गया था।
इस बम से पैदा हुए वैक्यूम ने इसके शरीर में धंसे हीरों को बाहर खींच लिया, और फिर से इसके शरीर को सामान्य बना दिया।

नागराज ने पोल्का को संक्षेप में पूरा घटनाक्रम सुना दिया-
ओह! लेकिन इसकी योजना बनाने के लिए तो तुमको आपस में बातचीत करनी पड़ी होगी। तुम और शीतनाग पानी में कैसे बातचीत कर पाए?
उसी तरह से जैसे क्रोको बोल रहा था! अपने स्वर तंतुओं से पानी में तरंगे पैदा करके! हमारे अन्दर सर्पों के गुण हैं और हम इस प्रकार से भी बातचीत कर सकते हैं!

समझी! लेकिन मैं यहां कैसे आई? तुम दोनों यहां तक कैसे पहुंचे? और उस... क्या नाम...हां... क्रोको को तुमने कैसे काबू में किया?

अब समय बेकार मत करो! हमको आतंकवादियों के बॉस सरदार तक पहुंचकर भारती का पता भी मालूम करना है! और उसके आतंकवादी जीवन का अंत भी करना है!
चलो नागराज!

काली मौत इधर से आया था! और अब मुझे इस तरफ से हल्की सी रोशनी आती भी नजर आ रही है!
ओ! यहां तो रास्ता बन्द है! सिर्फ एक ट्राली लटकती नजर आ रही है!
यह खान की लिफ्ट है। खान की विभिन्न सुरंगों में आने-जाने का एकमात्र साधन! हमको भी इससे ही ऊपर जाना होगा!
लेकिन अगर ऊपर कोई खतरा मौजूद हुआ तो हम फंस जाएंगे, नागराज!
मैं एक सर्प को ऊपर भेज देता हूं! मेरा सर्प ऊपर जाकर जो कुछ भी देखेगा, उन दृश्यों को मानस तरंगों के जरिए मुझ तक पहुंचाता रहेगा!
और जल्दी ही-
सर्प मुझको जो दृश्य दिखा रहा है, वह काफी खतरनाक है पोल्का!
अफ्रीका के हर देश में मौजूद विद्रोही सैनिकों के सभी कमांडरों को एक साथ यहां पर बुलाने का आखिर क्या मतलब है?
मतलब न होता तो न हम अपना समय व्यर्थ करते और नही आप सबको परेशान करते!
हमने आप सबको एक साथ यहां पर इसलिए बुलाया है ताकि आप सब एक दूसरे से परिचित हो सकें! और अगर एक अफ्रीकी देश की सरकार अपने यहां के विद्रोहियों पर हावी होने लगे तो विद्रोही अपने पड़ोसी देश के विद्रोहियों से मदद ले सकें!
यह एक तरह से अच्छा ही है कि अफ्रीका के सभी विद्रोही कमांडर एक साथ यहां पर हैं! हम एक ही झटके में अफ्रीका से आतंकवाद साफ कर सकते हैं!
आप सबके बीच में एक नेटवर्क स्थापित होना चाहिए!

Amaan
लेकिन एक खतरा भी है! जहां एक साथ इतने सारे आतंकवादी कमांडर जमा हों वहां की सुरक्षा व्यवस्था बहुत कड़ी होगी! आतंकवादियों से निपटने से पहले भारती की तलाश करनी होगी!
और साथ ही साथ आतंकवादियों की नजरों से बचना भी होगा!
सुरक्षा व्यवस्था सचमुच बहुत कड़ी थी-
चीं चूं
चीं चूं
खान की शॉफ्ट में से लिफ्ट ऊपर आ रही है.
पोजीशन ले लो! कहीं कोई खतरा न आ रहा हो.
लिफ्ट में तो सिर्फ एक सांप है!
तुम सब बेकार ही डर रहे थे! हाहा हा!
हाहाहाहा! हां! सांप!
सांप... यानी नागराज!
नागराज!
आतंकवाद का दुश्मन नागराज!
यहां पर?
खामोश चूहों! अपने-अपने देशों पर कब्जा करना चाहते हो, पर नागराज का नाम सुनते ही पैंटें गीली करने लगते हो! अगर नागराज यहां पर आया है तो खत्म कर दो उसको! तुम सैकड़ों हो और वह अकेला है! याद रखो! बारूद से नागराज भी नहीं बच सकता! एक नागराज के खिलाफ सैकड़ों काली मौतें हैं! नागराज मरेगा और यहीं मरेगा!
मीटिंग बर्खास्त करो! चुपचाप निकल लो यहां से!

चीफ सही कह रहा है! इस इम्तिहान को हमें पास करना ही पड़ेगा!
अपने-अपने आदमियों को सतर्क कर दो! जहां पर भी नागराज दिखे, उसके चिथड़े-चिथड़े कर दो!
अब नागराज हमसे डरेगा! क्योंकि बारूद, नागराज का दुश्मन है!... पर हमारा दोस्त है!
पास में ही-
यह तुमने अच्छा किया नागराज जो झाड़ियों के बीच में से ही सुरंग बनाकर चुपचाप इस जगह पर निकल आए!
लेकिन हमारा आना गुप्त नहीं रहा! इन लोगों ने मेरे उस सांप को देख लिया जो मुझे ऊपर के दृश्य दिखा रहा था!
भारती किधर है?
इस यंत्र के अनुसार भारती एकदम पास में है! और पास में उस मकान के अलावा और कुछ भी नहीं है!
नागराज भारती को ढूंढ रहा था-
और चीफ नागराज को-
सूंऽऽऽ सूंऽऽऽ एक अंजान महक आ रही है! सूं सूं! उधर से आ रही है ये महक! उधर है नागराज!
अगले ही पल बारूद के धमाकों ने झाड़ियों को सपाट सतह में बदल दिया-
हमको ढूंढ लिया गया है, नागराज!
तुम भारती को आजाद कराओ! मैं इस भीड़ को रोकता हूं!

हा हा हा! तू एक काली मौत से बचकर यहां तक तो आ गया नागराज, लेकिन अब तेरे सामने सैकड़ों काली मौतें हैं! और वह भी उस बारूद से लैस जो तेरे चिथड़े उड़ा सकता है!
ओह! तो तुम हो इनके सरदार! लेकिन मैंने तुमको तो पहले कभी देखा तक नहीं!
सरदार! हा हा! मेरी सरदार बनने की हैसियत कहां? मैं तो सिर्फ चीफ हूं!
सरदार और इन विद्रोही आतंकवादियों के बीच की कड़ी!
दुश्मन बहुत सारे हैं! और मैं ऐसी स्थिति में भी नहीं हूं कि इन सबको एक साथ सम्मोहित कर सकूं! इन पर काबू पाने के लिए इनका ध्यान बंटाना पड़ेगा!
नागराज के मस्तक से मानसिक आदेश निकला-
और जमीन एक धमाके के साथ फट पड़ी-
ये... ये क्या? जरूर हमारे हथियारों के गोदाम में विस्फोट हुआ है? पर कैसे?
उस ध्वंसक सर्प के कारण जिसको मैं हथियारों के पास छोड़कर आया था, और जो अब मेरा मानसिक आदेश पाकर फट पड़ा है!
विद्रोहियों के संभल पाने से पहले ही नागराज का शरीर बिजली की तेजी से घूमता हुआ कई आतंकवादियों को बेहोश करता चला गया-

Amaan
लेकिन नागराज ज्यादा आगे नहीं जा पाया-
तूने कुछ विद्रोहियों को बेहोश जरूर किया है नागराज! लेकिन ये काली मौतें दूर-दूर तक और हर तरफ फैली हुई हैं। तेरे पास ऐसा कोई हथियार नहीं है जो इतनी सारी काली मौतों को खत्म कर सके!
...तो नागराज भी सैकड़ों के बराबर हो सकते हैं!
सही कहा तूने चीफ! तुम सबसे एक साथ ही निपटना पड़ेगा। वरना यह लड़ाई कभी खत्म नहीं होगी। अगर काली मौतें सैकड़ों हैं...
वह नागराज का विराट रूप था-
उसके शरीर में मौजूद इच्छाधारी सर्प अपनी- अपनी शक्तियों के साथ उसके शरीर से बाहर निकल आए थे-

राज कॉमिक्स
अब जितने विद्रोही सैनिक थे, उतने ही इच्छाधारी सर्प-
और सर्पों के अद्भुत वारों से बच पाना...
...विद्रोही सैनिकों के बस की बात नहीं थी-
देख ले चीफ! तेरे हथियारों के ग्राहक, पके आमों की तरह गिर रहे हैं।
तुझे बचाने वाला अब कोई नहीं है! बता, कौन है तेरा सरदार और वह कहां मिलेगा मुझे?

☋ यह घटना जानने के लिए पढ़ें: थोडांगा की मौत

☋☋ इस संबंध में जानने के लिए पढ़ें: प्रेत अंकल और थोडांगा का प्रेत

लेकिन भला हो मेरे गुरु एलिफैंटा का जिन्होंने डॉक्टर डेविल द्वारा मुझे जोड़े जाने की प्रक्रिया को ध्यान से देखकर खुद समझ लिया था! उन्होंने मेरा शरीर एक बार फिर जोड़ दिया! और एक बार मेरे मृत शरीर में घुस चुके मेरे प्रेत शरीर को दुबारा मेरे शरीर में घुसने में कोई समस्या नहीं हुई!
अब मैं जिन्दा भी हूं, और वह प्रेतों की मंडली भी मेरे आधीन है, जिन पर मैंने अपने प्रेत रूप में अधिकार जमा लिया था।
ओह! पोल्का, क्या हुआ है तुमको? जवाब दो! आंखें खोलो पोल्का!
तुझे आतंकवाद फैलाने के साथ-साथ पोल्का को मारने की सजा भी मिलेगी थोडांगा! और वह सजा तुझको नागराज खुद देगा!
ये अब आंखें नहीं खोलेगी! क्योंकि इसका टूटा-फूटा बदन अब इसकी आत्मा के रहने लायक नहीं रहा है! इसकी आत्मा अब थोडांगा के वश में है!
सजाए मौत तो तुझको मैं दूंगा! अपना धंधा चौपट करने की सजा! मत भूल कि जिस थोडांगा को तू धमकी दे रहा है वह पहले ही दो बार मर चुका है!

Amaan
ओह! तू कछुए की तरह सिर को अपने कंधों के बीच में घुसाकर मेरी विषफुंकार से बच गया!
लेकिन अब मेरे शरीर में वास करने वाले इच्छाधारी सर्प अपना काम पूरा कर चुके हैं! अब वे वापस आकर तुझ पर अपनी सम्मिलित शक्ति से हमला करेंगे! फिर देखना है कि तू कैसे बचता है!
तेरे इच्छाधारी सर्प वापस नहीं आएंगे!
क्योंकि मेरी प्रेत मंडली उनको व्यस्त रखेगी!
मुकाबला सिर्फ तेरे और मेरे बीच में है!
आऽऽऽह!
इसके सींगों को तो मैं भूल ही गया था! असहनीय पीड़ा हो रही है मुझे!
लेकिन पीड़ा इतनी अधिक भी नहीं है कि मैं इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करके सींगों से आजाद न हो सकूं!
...तो थोडांगा ने भी मर-मरकर नई शक्तियां प्राप्त कर ली हैं!
अरे! तू गायब हो रहा है! तेरी ये शक्ति मैंने पहले तो कभी नहीं देखी! खैर, तूने अगर नई शक्तियां पा ली हैं...
देख! मैं तुझे तेरे अदृश्य रूप में देख भी सकता हूं और तुझ पर वार भी कर सकता हूं!...

आऽऽऽह! पूरा शरीर अभी भी थर-थर कांप रहा है! ... इसकी मोटी चमड़ी में न तो मेरे दांत धंसेंगे और न ही ध्वंसक सर्प इसको कोई नुकसान पहुंचा पायेंगे!
फिर थोडांगा को मैं कैसे रास्ते से हटा सकता हूं! आऽऽऽऽऽऽ
इसको खत्म करने से मेरी इंसानी जान न लेने की शपथ नहीं टूटेगी! क्योंकि ये तो पहले ही दो बार मर चुका है! लेकिन जो दो बार मर चुका हो उसको तीसरी बार कैसे मारा जा सकता है?
इस सवाल का जवाब तो सीधा सा है! तीसरी बार भी ये वैसे ही मरेगा जैसे ये पहले दो बार मरा है! दो भागों में चिरकर!
कमजोर नागराज के हाथों में भी इतनी शक्ति थी कि वे थोडांगा को चीर-कर रख दें-
थोडांगा का शरीर चिरता चला गया-
कड़ड़ड़ड़ड़
लेकिन-
अरे! अरे! इसके तो दोनों टुकड़े फिर से जुड़ रहे हैं!
थोडांगा ने नागराज से इस फुर्ती की उम्मीद नहीं करी थी-
ओफ़! आखिरकार ये आतंकवादी शैतान खत्म हो ही गया!

थोडांगा फिर से जुड़कर जिन्दा हो गया है!
हाहाहा! थोडांगा अब इस तरीके से नहीं मरेगा, नागराज! बहुत बार मर लिया मैं एक ही तरीके से! अब मुझे मारने का कोई नया तरीका सोच!
आऽऽऽह! इसके 'सींगवार' ने मेरे दोनों हाथों को बेकार कर दिया है। लेकिन इस बार मैं इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करने की गलती नहीं करूंगा! परन्तु अगर इसको मारने का एक-मात्र तरीका भी काम नहीं कर रहा है तो इसको मैं मारूं तो मारूं कैसे? ये अपने आप कैसे जुड़ जा रहा है? क्या है इसकी इस शक्ति का राज?
किस्मत का खेल देख नागराज! एक बार तूने मुझे काटकर मारा था, लेकिन आज मैं तुझे अपने इस पैने किस्म गस सींग से काट कर मारूंगा!
मुझे मारना है तो जल्दी से मार ले थोडांगा! क्योंकि तुझे ये मौका दुबारा नहीं मिलेगा!
घिरसस
घिररसस
एक पुरानी बात याद आ रही है! शायद वही इस समस्या का हल हो!
क्यों? क्या कर लेगा? फिर से फाड़ेगा मुझको? अब तो तेरे लुंज हो चुके हाथों में खुद उठने तक की ताकत नहीं है!
अरे! मेरे सींगों में ये क्या आ फंसा है? सर्प रस्सी!

हां, थोडांगा! मैं हाथ नहीं उठा सकता! लेकिन मेरे मानसिक आदेश पर मेरी सर्परस्सी तो मेरी कलाई से बाहर आ ही सकती है!
आ सकती है लेकिन ये भी मुझे तुझे काटने से रोक नहीं सकती!
रोक सकती है थोडांगा! रोक सकती है!
नागराज की कलाइयों से निकले नागफनी सर्प-
सर्परस्सी को अटकाने वाले उन दोनों पेड़ों के तनों को काटते चले गए-
क्योंकि इस बार मैं तेरे दोनों टुकड़ों को अलग-अलग दिशाओं में इस तरह से फेकूंगा कि तेरे कटे अंग एक-दूसरे के सामने न पड़ें!
ये आइडिया मुझे महाभारत युद्ध की उस कहानी से आया है...
और तने गिरने के जोर से थोडांगा एक बार फिर दो भागों में चिर गया-
फिर से वही वार! लेकिन मैं फिर से जुड़कर तुझे मारूंगा नागराज!
इस बार तू नहीं जुड़ पाएगा थोडांगा!
...जिसमें कृष्ण भगवान के इशारे पर भीम ने जरासंध के दोनों टुकड़ों के विपरीत दिशाओं में फेंका था! और वे टुकड़े फिर नहीं जुड़ पाए थे!

Amaan
सचमुच इस बार थोडांगा के टुकड़े नहीं जुड़ पाए! और थोडांगा के मरते ही पोल्का की आत्मा फिर से उसके शरीर में समा गई–
आऽऽऽह! यह शैतान कैसे मारा गया नागराज?
नागराज ने पोल्का को पूरा घटनाक्रम सुनादिया–
ओह, समझी! यानी इसके शरीर के टुकड़े चुंबक की तरह काम करते थे! ये आपस में आकर्षण के कारण जुड़ जाते थे!
लेकिन विपरीत दिशाओं में फेंके जाने के कारण वह आकर्षण, विकर्षण में बदल गया!
लेकिन भारती कहां है, पोल्का? तुम उसको छुड़ा क्यों नहीं पाई?
छुड़ाती कैसे? उस झोपड़ी में तो मुझे भारती के बजाय यह शैतान थोडांगा मिल गया था।
अभी जी॰ पी॰ एस॰ के जरिए भारती की स्थिति को चेक करता हूं!...अरे! अब तो भारती के सिग्नल हमसे दूर जा रहे हैं! पर कैसे?
वो देखो, नागराज!
हवा में उड़ता हुआ हमसे दूर जाता वह बैलून! भारती जरूर इसी में होगी!
और हम उस गुब्बारे तक नहीं पहुंच सकते! भारती एक बार फिर हमसे दूर चली गई है, पोल्का!
अफ्रीका का आतंकवाद तो खत्म हो गया है। लेकिन हमारी यह यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है पोल्का!
यह विश्व आतंकवाद के सम्पूर्ण नाश के बाद ही खत्म होगी!
आमीन!
समाप्त.